जब तक परदा उठता नहीं

7 दिनों की प्रार्थना
मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

असली रहस्योद्घाटन की कहानियाँ
बदलाव की प्रार्थना को प्रज्वलित करना
मुस्लिम लोगों के लिए

दुनिया भर के मसीहियों के साथ मिलकर हमारे मुस्लिम पड़ोसियों के लिए प्रार्थना करें

IPC   110 Cities   ftt finishing the task

जब तक परदा उठता नहीं | 7 दिनों की प्रार्थना मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

स्वागत है

“लेकिन जब भी कोई प्रभु की ओर मुड़ता है, तो परदा हटा लिया जाता है।”
(2 कुरिन्थियों 3:16)

आज पूरी दुनिया में 1.9 अरब से ज्यादा मुस्लिम पुरुष, महिलाएं और बच्चे उत्तर अफ्रीका से दक्षिण–पूर्व एशिया तक फैले शहरों और गांवों में रहते हैं, काम करते हैं, आराधना करते हैं और अपने परिवार पालते हैं। वे हमारे पड़ोसी, सहकर्मी, सहपाठी और दोस्त हैं। परमेश्वर उन्हें बहुत प्यार करते हैं।

‘जब तक परदा उठता नहीं’ दुनिया भर के विश्वासियों को सात दिनों की केंद्रित, बाइबिल–आधारित मध्यस्थता के लिए आमंत्रित करता है, खासतौर पर उन मुस्लिम लोगों के लिए जो रणनीतिक वैश्विक शहरों में रहते हैं। यह बहस या दुश्मनी के लिए नहीं है। यह दया और आत्मा से भरी प्रार्थना के लिए बुलावा है, ताकि ब्रेकथ्रू हो सके!

मुस्लिम दुनिया में अद्‌भुत कहानियाँ सामने आ रही हैं। यीशु सपनों में खुद को प्रकट कर रहे हैं। पूरे–पूरे परिवार क्षमा के अनुग्रह को पहचान रहे हैं। घरों और शहरों में चुपचाप नए संगति समूह बन रहे हैं। इंडोनेशिया से लेकर उत्तर अफ्रीका, मध्य से दक्षिण एशिया तक, पवित्र आत्मा काम कर रहा है।

इस गाइड के बारे में...

इस गाइड का हर दिन एक स्पष्ट बाइबिल थीम और मुख्य शास्त्र वचन के साथ शुरू होता है, साथ ही किसी खास शहर और देश में वास्तविक जीवन में परमेश्वर के काम की एक दमदार गवाही भी होती है। वहां से आपको केंद्रित प्रार्थना बिंदुओं और एक व्यावहारिक चुनौती के जरिये मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे आप व्यक्तिगत रूप से प्रतिक्रिया दे सकें और जो सच आपने जाना है, उसे जी सकें।

आपको मेदान (इंडोनेशिया), पेशावर (पाकिस्तान), माराकेच (मोरक्को), नियामी (नाइजर), दुबई (संयुक्त अरब अमीरात), अदीस अबाबा (इथियोपिया), और सना (यमन) जैसे शहरों की कहानियाँ मिलेंगी।

ये किस्से कोई दूर की खबरें नहीं हैं। ये बढ़ती फसल के संकेत हैं!

चाहे आप अकेले प्रार्थना करें, या फिर अपने परिवार के साथ, अपने चर्च में या ऑनलाइन दूसरों के साथ, ये सप्ताह आपकी समझ को गहरा करे, आपकी दया को बढ़ाए और इस विश्वास को मजबूत करे कि यीशु आज भी लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं।

जब हम 100 मिलियन मसीहियों के साथ मिलकर राष्ट्रों में एकजुट प्रार्थना करते हैं, तो हम प्रार्थना करते हैं कि ये पर्दा उठ जाए। दिल बदल जाएं। मसीह प्रकाशमान होते रहें!

हमारे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, जबकि हम उन देशों के लिए प्रार्थना करते हैं जिन्हें यीशु प्यार करते हैं।

जब तक परदा उठता नहीं | 7 दिनों की प्रार्थना मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

परिचय

"शुरुआत में वचन था, वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन ही परमेश्वर था।"
(यूहन्ना 1:1)

दुनिया भर के मुसलमान मानते हैं कि यीशु परमेश्वर का वचन हैं, हालांकि इस शीर्षक को लेकर उनकी समझ मसीहियों से काफी अलग है। इब्रानियों 1 में लिखा है, "बहुत पहले, कई बार और कई तरीकों से परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बात की, लेकिन इन अंतिम दिनों में उसने अपने पुत्र के द्वारा हमसे बात की है"

हर बार जब मुसलमान बाइबिल खोलते हैं और पहली बार यीशु की कहानियाँ पढ़ते हैं, तो यह सच सामने आता है। जब वे पहाड़ी उपदेश या यीशु के चमत्कारों को पढ़ते हैं, तो वे "परमेश्वर की महिमा की चमक और उसकी प्रकृति की सटीक छाप" देखते हैं।

परमेश्वर मुसलमानों को अपनी ओर खींचने के मुख्य तरीकों में से एक है– साधारण बाइबिल अध्ययन, जिसमें सृष्टि से लेकर पुनरुत्थान तक के शास्त्र अंशों को उजागर किया जाता है। Waha app में कई कहानी सेट हैं, जो दर्जनों भाषाओं में अनुवादित हैं। अगले 7 दिनों में हम ऐसे ही कुछ अंशों के द्वारा प्रार्थना करेंगे, जो यीशु, यानी देहधारी वचन को प्रकट करते हैं।

जब आप इन जानी–पहचानी बातों पर मनन करें, तो सोचिए पहली बार इन्हें पढ़ना कैसा लगेगा– देखना यीशु की बुद्धि, शक्ति, सुंदरता और अधिकार को। जब मुसलमान पहली बार बाइबिल से यीशु की कहानियाँ पढ़ते हैं, तो उनकी बातें अक्सर यीशु के समय के यहूदियों जैसी लगती हैं, "लोग उसकी शिक्षा से चकित थे, क्योंकि वह अधिकार के साथ सिखाता था, न कि शास्त्रियों की तरह।" (मरकुस 1:22)

मध्यस्थता की भावना में, जीवित वचन से प्रार्थना करें कि जब मुसलमान उनका वचन पढ़ें, तो वे खुद को प्रकट करें।

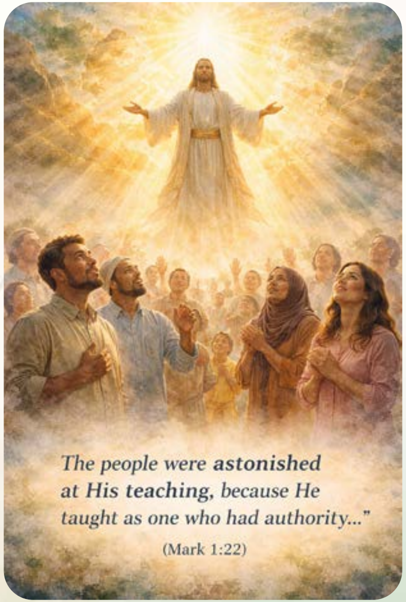

जब तक परदा उठता नहीं | 7 दिनों की प्रार्थना मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

विषय सूची

इस्लाम को समझना		05
आज की मुस्लिम दुनिया		06
शीर्ष 10 मुस्लिम–बहुल देश		07
रमजान		08
रमजान के दौरान यीशु को कैसे साझा करें		09
इस मार्गदर्शिका का उपयोग कैसे करें		10
दिन 1: रहस्योद्घाटन	मेदान, इंडोनेशिया	11
दिन 2: मेल–मिलाप	पेशावर, पाकिस्तान	12
दिन 3: उद्धार	माराकेच, मोरक्को	13
दिन 4: विनम्रता	नियामी, नाइजर	14
दिन 5: साहस	दुबई, संयुक्त अरब अमीरात	15
दिन 6: विश्वास	अदीस अबाबा, इथियोपिया	16
दिन 7: उम्मीद	सना, यमन	17
वैश्विक प्रार्थना दिवस		18
5 वैश्विक प्रार्थना दिवस		19
परमेश्वर के वचन की प्रार्थना – YouVersion ऐप		20
छोटा प्रिंट		21

इस्लाम को समझना

मुसलमान क्या मानते हैं

इस्लाम 7वीं सदी में अरब प्रायद्वीप में पैगम्बर मुहम्मद की शिक्षाओं से शुरू हुआ था। आज ये दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा धर्म है, जिसके अनुयायी हर महाद्वीप पर हैं।

इस्लामी विश्वास का केंद्र है **तौहीद** – यानी अल्लाह की पूरी एकता और अनोखापन। अल्लाह को अद्वितीय, सर्वोच्च और बेमिसाल माना जाता है। अल्लाह के साथ किसी को भी जोड़ना (शिर्क) सबसे बड़ा गुनाह माना जाता है।

मुसलमान मानते हैं:

- **कुरान** ईश्वर की अंतिम और परिपूर्ण रहस्योद्घाटन है।
- मुहम्मद, इब्राहीम, मूसा और यीशु समेत कई नबियों की कतार में आखिरी नबी हैं।
- यीशु (ईसा) का जन्म कुँवारी मरियम से हुआ था और उन्होंने चमत्कार किए, लेकिन वे ईश्वर के पुत्र नहीं हैं और बाइबिल के अनुसार उन्हें सूली पर नहीं चढ़ाया गया था।
- आखिरकार, मुक्ति अल्लाह की रहमत पर निर्भर करती है, लेकिन अच्छे काम, आज्ञाकारिता और वफादारी भी बहुत मायने रखते हैं।

इस्लाम के पाँच स्तंभ रोजमर्रा की जिंदगी को आकार देते हैं:

1. ईमान की गवाही (शहादा)
2. रोजाना की नमाज (सलात)
3. गरीबों को दान देना (जकात)
4. रमजान में रोजा रखना (सौम)
5. मक्का की यात्रा (हज)

कई मुसलमानों के लिए, ईमान सिर्फ व्यक्तिगत नहीं है– ये परिवार, संस्कृति, कानून और समुदाय की पहचान में रचा बसा है।

फिर भी, पूरी दुनिया के मुस्लिम समाज में बहुत विविधता है: सांस्कृतिक, धार्मिक, जातीय और राजनीतिक।
दो सबसे बड़े संप्रदाय हैं:

- **सुन्नी इस्लाम** (दुनिया में सबसे ज़्यादा)
- **शिया इस्लाम** (कुछ क्षेत्रों में बड़ी आबादी)

इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भारत, नाइजीरिया, मिस्र, ईरान और तुर्की जैसे देशों में मुस्लिम आबादी बहुत बड़ी है।

ये समझ कि मुसलमान क्या मानते हैं, हमें मद्दद करती है किहम अनुमानों के बजाय अंतर्मन से उनके लिए प्रार्थना करें।

आज का मुस्लिम जगत: आध्यात्मिक और सांस्कृतिक हकीकतें

मुस्लिम दुनिया एक जैसी नहीं है। इसमें भीड़–भाड़ वाले महानगर, रेगिस्तानी गाँव, पहाड़ी समुदाय और यूरोप व नॉर्थ अमेरिका के प्रवासी मोहल्ले शामिल हैं।

कई मुस्लिम समाजों में **पारिवारिक सम्मान और समुदाय से जुड़ाव** सर्वोपरि होते हैं। धार्मिक पहचान विरासत से गहराई से जुड़ी होती है। यीशु का अनुसरण करने वाले व्यक्ति को सामाजिक कीमत चुकानी पड़ सकती है– अस्वीकृति, दबाव और यहाँ तक कि जान का खतरा भी!

इसी के साथ, कई अद्भुत बदलाव भी हो रहे हैं।

मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में, बढ़ती संख्या में मुसलमान यीशु के सपने और दर्शन देखने की बात बताते हैं। कई लोग गवाही देते हैं कि उन्होंने "ईसा अल–मसीह" – यानी यीशु मसीह – को शास्त्र, सैटेलाइट मीडिया, दोस्ती या निजी अनुभवों के जरिए जाना है।

कुछ इलाकों में गृह सभायें चुपचाप बढ़ रही हैं। कहीं और, विश्वासियों को सताया जाता है लेकिन वे डटे रहते हैं।

इस्तांबुल, कराची, काहिरा, तेहरान और जकार्ता जैसे बड़े शहरों में लाखों लोग रहते हैं, जिन्हें सुसमाचार तक पहुँच बहुत कम है।

दुआ बहुत जरूरी है क्योंकि:

- कई मुस्लिम पृष्ठभूमि वाले विश्वासियों को हिम्मत चाहिए।
- कुछ भाषाओं में शास्त्रों की उपलब्धता अभी भी सीमित है।
- यीशु के बारे में भ्रान्ति बनी रहती हैं।
- राजनीतिक तनाव अक्सर गवाही को मुश्किल बना देते हैं।
- आध्यात्मिक भूख बढ़ रही है।

हम डर से दुआ नहीं करते।
हम प्यार से दुआ करते हैं।

हम लोगों के खिलाफ दुआ नहीं करते।
हम दुआ करते हैं कि दिलों को जीवित मसीह का अनुभव हो।

जैसा कि 2 कुरिन्थियों 3:16 हमें याद दिलाता है:

"जब भी कोई प्रभु की ओर मुड़ता है, तो पर्दा हट जाता है।"

हम दुआ करते हैं कि, हमारी समझ और गहरी हो जाए।
हमारी दया और बढ़ जाए।
हमारी दुआएं और मजबूत हों।

Countries *with the* Largest Muslim Populations

Over 1.9 billion Muslims worldwide

Top 10 Muslim-Majority Countries

1	Indonesia	240+ million	86%
2	Pakistan	230+ million	96%
3	India	210+ million	14%
4	Bangladesh	155+ million	91%
5	Nigeria	110+ million	50%
6	Egypt	95+ million	90%
7	Iran	85+ million	99%
8	Turkey	80+ million	99%
9	Algeria	43+ million	99%
10	Sudan	40+ million	90%

Data estimates are approximate

PRAY FOR THE NATIONS TO ENCOUNTER JESUS

रमजान

मुस्लिम जगत में एक पवित्र महीना

रमजान इस्लामी कैलेंडर का सबसे पवित्र महीना है। ये वो समय याद दिलाता है जब मुसलमान मानते हैं कि कुरान पहली बार पैगंबर मुहम्मद पर उतरी थी। इस्लामी कैलेंडर चंद्रमा पर आधारित है, इसलिए रमजान हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर में थोड़ा पहले आ जाता है।

दुनिया भर के मुसलमानों के लिए – चाहे वे गांवों में हों, महानगरों में हों, शरणार्थी शिविरों में हों या प्रवासी समुदायों में हों – रमजान एक गहरा आध्यात्मिक समय है जो उपवास, प्रार्थना, दान, पश्चाताप और ईश्वर के प्रति नवीकृत भक्ति से चिह्नित होता है।

इसे अक्सर रहमत का महीना कहा जाता है।

रोजा रखने का महत्व

रमजान के दौरान रोजा रखना (जिसे सऊम कहते हैं) इस्लाम के पाँच स्तंभों में से एक है। सुबह से लेकर सूरज डूबने तक, मुसलमान इन चीजों से दूर रहते हैं:

- खाना
- पीना
- धूम्रपान
- वैवाहिक संबंध

रोजा सिर्फ शारीरिक नहीं हैय इसका उद्देश्य इन चीजों को बढ़ावा देना भी है:

- आत्म–अनुशासन
- विचारों की पवित्रता
- उदारता
- ईश्वर पर निर्भरता
- गरीबों के लिए दया

बहुत से मुसलमान इस महीने में अपनी नमाज बढ़ाते हैं, दान (जकात) देते हैं, और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। आखरी दस दिन खास पवित्र माने जाते हैं, जिनमें आध्यात्मिकता और भी गहरी हो जाती है।

महीना ईद–उल–फित्र के जश्न के साथ खत्म होता है, जिसमें सामूहिक नमाज, खाने–पीने, नए कपड़े और उदारता के काम होते हैं।

रमजान के दौरान एक आम दिन

हालांकि विभिन्न संस्कृतियों में विभिन्न परम्पराएं होती हैं। लेकिन आम तौर पर एक दिन कुछ ऐसा होता है:

सुबह से पहले (सहरी)

परिवार सूरज निकलने से पहले उठते हैं, हल्का खाना खाते हैं और नमाज पढ़ते हैं। ये शांत समय अक्सर बहुत सुकून और सोचने वाला होता है।

फज्र की नमाज

पाँचों नमाजों में से पहली नमाज से रोजे की शुरुआत होती है।

दिन का समय

काम और स्कूल चलते रहते हैं, लेकिन खाने–पीने की कमी से थोड़ी ऊर्जा में में कमी आ सकती है। बहुत लोग गैर–जरूरी आकर्षणों से बचते हैं और आध्यात्मिक सोच में डूबे रहते हैं।

दोपहर और ाम की नमाजें

मस्जिदों में रौनक बढ़ जाती है। इस महीने में समुदाय की एकता और भी मजबूत हो जाती है।

सूर्यास्त (इफ्तार)

सूरज डूबते ही रोजा खोला जाता है– आमतौर पर खजूर और पानी से। परिवार और समुदाय मिलकर खाना खाते हैं। कई देशों में सड़कों पर जश्न और उदारता की बहार आ जाती है।

रात की नमाजें (तरावीह)

मस्जिदों में खास तौर पर लंबी नमाजें होती हैं। पूरे महीने हर रात कुरान की तिलावत की जाती है।

बहुत से मुसलमानों के लिए रमजान ईमानदारी का वक्त है– जब दिल नरम होते हैं और आध्यात्मिक सवाल ज्यादा महसूस होते हैं।

रमजान के दौरान यीशु को कैसे साझा करें

ईसा मसीह को प्यार और समझदारी से प्रस्तुत करना

रमजान दोस्ती और दिल से बात करने के लिए खास मौका देता है।

सर्वप्रथम और सर्वोपरि, ईसाइयों को सम्मानपूर्वक प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया है।

- रोजा रखने के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को स्वीकार करें।
- पूछें कि ये महीना उनके लिए व्यक्तिगत तौर पर क्या मायने रखता है।
- बहस करने के बजाय सच्ची दिलचस्पी दिखाएं।

रमजान में मेहमान–नवाजी बहुत अहम है। अगर आपको इफ्तार पर बुलाया जाए, तो खुशी से जाना, भरोसा और दोस्ती बढ़ा सकता है।

जब आध्यात्मिक बातें हों, तो ईसाई प्यार से ये बातें साझा कर सकते हैं:

- कि ईसा मसीह ने भी रोजा रखा और प्रार्थना की थी (मत्ती 4:1–2)।
- कि ईसाई भी के माफी और परमेश्वर के करीब होने की कोशिश में लगे रहते हैं।
- कि बाइबल और कुरान दोनों में ईसा मसीह को "ईश्वर का वचन" और "मसीहा" कहा गया है।

ईसा मसीह को किसी प्रतिद्वंदी नबी की तरह पेश करने के बजाय, उन्हें परमेश्वर के संदेश की पूर्ति के रूप में बताएं– वह एक जो पिता के दिल को पूरी तरह दिखाते हैं, दया का रूप हैं, और अपने अनुग्रह से माफी का भरोसा देते हैं।

सवाल बहुत असरदार हो सकते हैं:

- "आपके हिसाब से ईसा मसीह कौन हैं?"
- "आपके हिसाब से, उन्हें मसीहा कहने का क्या मतलब है?"
- "आपको माफी का भरोसा कैसे मिलता है?"

सबसे बढ़कर, याद रखें:

- मकसद एक बहस को जीतना नहीं है।
- मकसद मसीह की गवाही देना है।
- सिर्फ पवित्र आत्मा ही परदा उठाता है।

प्यार को आगे बढ़ने दें। विनम्रता को रास्ता दिखाने दें। सच्चाई का बखान प्यार से होने दें।
"प्यार में सच बोलो।" – इफिसियों 4:15

इस गाइड का इस्तेमाल कैसे करें

यह प्रार्थना गाइड आपको दया, विनम्रता और उम्मीद के साथ खड़े होने का निमंत्रण है– खुदाबाप से मांगने के लिए कि वे मुस्लिम लोगों के बीच जबरदस्त काम करें और हमें भी बदल दें जब हम प्रार्थना करते हैं। हर दिन को इस तरह से तैयार किया गया है कि बाइबल, कहानी और मध्यस्थता एक साथ आएं– जब तक परदा न उठ जाए और मसीह प्रकट न हो जाएँ।

हर दिन की शुरुआत थीम और बाइबल के सन्देश के साथ ध्यान में बैठकर करें। धीरे–धीरे और प्रार्थना के साथ पढ़ें, पवित्र आत्मा को बुलाएं कि वे लोगों और इन चुनिंदा शहरों के लिए खुदा के दिल को प्रकाशित करें। खुदा के वचन के द्वारा अपने नजरिये को बदलने दें, अपने प्यार को गहरा करें और अपनी दुआओं को खुदा की मर्जी के साथ मिलाएं।

फिर वास्तविक जीवन की गवाही पढ़ें। ये कहानियां बहादुरी से आज्ञा मानने, शांत विश्वास और उन हैरान कर देने वाले तरीकों को दर्शातीं हैं जिनसे यीशु खुद को प्रकट कर रहे हैं– सपनों, रिश्तों, बाइबल और विश्वासियों की छोटी – छोटी बैठकों के द्वारा। जब आप पढ़ें, तो खुदा का शुक्रिया करें उसके लिए जो वे कर रहें हैं। जहां विरोध, मुश्किलें या आत्मिक रुकावटें हैं, वहां सफलता, सुरक्षा और धैर्य के लिए दुआ करें।

फत्कोड का इस्तेमाल करके थोड़ी और जानकारी हासिल करने के लिए समय निकालें। उस शहर के बारे में जानें, उसके इतिहास, संस्कृति और आत्मिक माहौल के बारे में जानकारी हासिल करें। ज्ञान प्राप्ति करुणा को बढ़ावा देती है, और करुणा से सच्ची प्रार्थना होती है।

हर दिन में केंद्रित प्रार्थना बिंदु और एक उपयोगी जवाब भी शामिल है। रुकें और सोचें कि खुदावंद आपको क्या करने के लिए बुला रहें हैं– शायद दोस्ती बनाने, अपने समुदाय के मुसलमानों के बारे में और जानने, अपने विश्वास को और हिम्मत से बांटने, या लगातार प्रार्थना करने के लिए। जब हम दूसरों के लिए दुआ करते हैं, खुदा हमारे अपने विश्वास को भी मजबूत और शुद्ध करता है।

आप चाहें तो हर दिन का अंत आराधना से कर सकते हैं, अपनी नजरें यीशु पर उठाकर– एक वही जो सबको अपनी ओर खींचतें हैं।

जब आप प्रार्थना करें, तो इस वादे को थामे रहें: जब दिल खुदावंद की ओर मुड़ते हैं, तो परदा हटा दिया जाता है।

दिन 01
9 मार्च

आज की थीम

रहस्योद्घाटन

“और कोई भी पिता को नहीं जानता, केवल पुत्र और वह, जिस पर पुत्र उसे प्रगट करना चाहे।”
मत्ती 11:27

ध्यान दें:

मेदान
इंडोनेशिया

यीशु खोजने वाले दिलों पर प्रकट हुए

अमीशा ने पांच महिलाओं को बाइबल में पैगंबरों की कहानियां पढ़ने में अगुवाई की – मुसलमानों को खुदा के वचन से परिचित का अच्छा तरीका। फिर ये महिलाएं ये कहानियां अपने परिवार और दोस्तों के साथ बांटती हैं और वे उन शिक्षाओं को मानती हैं जो शिक्षाएं परमेश्वर उन्हें साथ में समय बिताने के दौरान उन्हें प्रदान करते हैं।

इन तीन महिलाओं को ईसा अल मसीह (यीशु मसीह) के दर्शन हुए। सपनों में, उन्होंने एक महिला को अपने पति को क्षमा करने का निर्देश दिया और दूसरी को यह कहकर प्रोत्साहित किया कि वह उनके सत्य का अध्ययन कर रही है। तीसरी महिला को एक सरल लेकिन गहरा दर्शन हुआ जिसमें यीशु ने उसे गले लगाया! कुछ ही समय में, ये सभी पाँचों महिलाएं ईसा की अनुयायी बन गईं। अमीशा ने उन्हें पास के धान के खेत की सिंचाई नहर में बपतिस्मा दिया।

अमीशा एक आम इंसान हैं जिन्हें शिष्य बनाने की ट्रेनिंग मिली है और जो यीशु की आवाज सुनने और मानने के लिए तरसती हैं। ये सभी छह महिलाएं सीख रही हैं कि कैसे शिष्य बनाने वाली बनें।

अपने परिवार में सबसे पहले ये महिलाएं मसीह के पास आईं। उनके लिए दुआ करें जब वे अपने पतियों को खुदा का वचन सुनाती हैं और उनकी आत्मिक अगुवाई को बढ़ावा देती हैं। ये प्रक्रिया कभी–कभी उलझन भरी हो सकती है, लेकिन पूरे परिवार को विश्वास में लाना बहुत जरूरी है।

प्रार्थना बिंदु

- दुआ करें कि सपनों और बाइबल के जरिये यीशु निरंतर प्रकाशमान होते रह।
  “देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है जो जगत का पाप उठा ले जाता है।”
  यूहन्ना 1:29
- उन परिवारों में आत्मिक भूख के लिए दुआ करें जो यीशु को तलाश रहे हैं।
  “प्रभु यीशु पर विश्वास करो, तो तुम और तुम्हारा घराना बच जाएगा।”
  प्रेरितों के काम 16:31
- दुआ करें कि और भी साहसी शिष्य बनाने वाले खड़े हों जो मसीह की गवाही दें और उन्हें स्पष्ट रूप से साझा करें।
  “फसल तो बहुत है, पर मजदूर थोड़े हैं। इसलिए फसल के मालिक से दुआ करो कि वो अपने खेत में मजदूर भेजे।” लूका 10:2

आम जिंदगी में इस्तेमाल

यीशु से दुआ करें कि वे इस सप्ताह आपके किसी जानने वाले पर खुद को स्पष्ट रूप से प्रकाशित करें।

तथ्य और आंकड़े

इंडोनेशिया में 240 मिलियन से अधिक मुसलमान हैं।

अन्य शास्त्र

मरकुस 1:1–8; यूहन्ना 1:29–34

इसके बारे में और जानकारी

इंडोनेशिया

दिन 02
10 मार्च

आज की थीम

मेल–मिलाप

"और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिसने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है।"
2 कुरिन्थियों 5:18–19

ध्यान दें:

पेशावर
पाकिस्तान

मसीह के जरिये परमेश्वर से मेल–मिलाप

दरवाजा जईम के जरिये खुला, जो एक नए बपतिस्मा लिए हुए शिष्य और उप प्राचार्य थे जो अपने विद्यालय के समुदाय में परमेश्वर का वचन साझा करते थे। इस संपर्क ने वजीह को विद्यालय की संचालक के घर पहुँचाया। विद्यालय की संचालक एक ताकतवर सरकारी अफसर थीं और अपने परिवार के लिए मदद चाह रही थीं, जो झगड़ों से जूझ रहा था।

अफसर ने अपने परेशान परिवार को इकट्ठा किया, जिसमें एक बेटा था जो गलत संगत में था और एक बेटी थी जो तलाक का सामना कर रही थी। वजीह ने उनकी कमियों पर ध्यान नहीं दियाय बल्कि उसने आदम और हव्वा की कहानी सुनाई और और आगे समझाया कि किस तरह से यीशु को रिश्तों को पुनःस्थापित करने के लिए भेजा गया था – पहले, परमेश्वर के साथ अपने बलिदान के द्वारा और फिर एक दूसरे के साथ, गुनाहों की माफी के द्वारा। माफी परमेश्वर के साथ और दूसरों के साथ हमारे रिश्तों को चंगा करती है।

उनकी आत्मिक और रिश्तों की जरूरतों को समझकर, उस अफसर ने बड़ी विनम्रता दिखाई। उसने वजीह से कहा कि वो उसके और पूरे परिवार के लिए यीशु के नाम में दुआ करे। जईम हैरान रह गया जब सरकारी अफसर ने सिर झुका लिया। बदलाव तत्काल और वास्तविक था: जो बेटी तलाक का सोच रही थी, वो जल्दी ही अपने पति के पास लौट गई। ये चमत्कार यीशु के बलिदान की वजह से हुआय माफी हमेशा मुमकिन है, और सबसे टूटे परिवार भी बहाल हो सकते हैं।

प्रार्थना बिंदु

- उन परिवारों में अलौकिक विनम्रता के लिए दुआ करें जिन्हें बहाली की जरुरत है।
  "मैं तुम्हें नया दिल दूंगा और तुम्हारे अंदर नई आत्मा डालूंगा।" यहेजकेल 36:26
- यीशु के बलिदान की ताकत से टूटे रिश्तों की बहाली के लिए दुआ करें।
  "और वह माता पिता के मन को उनके पुत्रों की ओर, और पुत्रों के मन को उनके माता–पिता की ओर फेरेगा।" मलाकी 4:6
- दुआ करें कि शिष्य बनाने वाले ऐसी माफी लेकर चलें जो समुदायों को चंगा करे।
  "प्रभु की आत्मा मुझ पर है। उसने मुझे भेजा है कि मैं टूटे दिलों को चंगा करूं।" यशायाह 61:1

आम जिंदगी में इस्तेमाल

जहां अहंकार ने रिश्ते में चंगाई को रोका है, वहां आज ही मेल–मिलाप की शुरुआत करें।

तथ्य और आंकड़े

पाकिस्तान 96% मुस्लिम है, और वहां सुसमाचार की पहुंच बहुत कम है।

अन्य शास्त्र

लूका 18:9–30

इसके बारे में और जानकारी

पाकिस्तान

दिन 03
11 मार्च

आज की थीम

छुटकारा

“परमेश्वर–पुत्र का प्रकट होना इसलिये हुआ कि वह शैतान के कामों का नाश कर दें।”
1 यूहन्ना 3:8

ध्यान दें:

माराकेच
मोरक्को

मसीह की सत्ता के द्वारा आजादी

मोरक्को के माराकेच में एक मुस्लिम व्यापारी के पास एक कर्मचारी था जिसे बार–बार बेहोशी आती थी। उन्हें लगता था कि ये बेहोशी शैतानी असर की वजह से हो रही है। व्यापारी ने मसीह का सुसमाचार सुना और यीशु का अनुसरण करना शुरू कर दिया।

कुछ महीने बीत गए, और वह कर्मचारी जिसे बेहोशी की समस्या थी, उसने अपनी नौकरी छोड़ दी। अब जो व्यापारी यीशु का अनुयायी बन, चुके थे, उन्होंने अपने पुराने कर्मचारी से मुलाकात की और उसे यीशु की मृत्यु, बीमारी और शैतानी ताकतों पर अधिकार के बारे में बताया।

उन्होंने उससे कहा कि वह उसके लिए प्रार्थना कर सकता है ताकि वह छुटकारा और चंगाई पाए। कर्मचारी ने यह प्रार्थना स्वीकार कर ली। उसने भी यीशु पर विश्वास किया, शैतानी असर से छुटकारा पाया और बोला, “अगर आपको इस सत्य के बारे में पहले से पता था, तो मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मैं सच में बहुत परेशान था।”

यह युवक, जिसने यीशु की शक्ति का अनुभव किया, अब अपने परिवार के साथ सुसमाचार बाँट रहा है। प्रार्थना करें कि उसका परिवार भी विश्वास में आए।

प्रार्थना बिंदु

- उत्पीड़न से निरंतर मुक्ति और छुटकारे के लिए प्रार्थना करें।
  “इसी कारण परमेश्वर का पुत्र प्रकट हुआ, ताकि वह शैतान के कामों को नष्ट कर दे।” 1 यूहन्ना 3:8
- प्रार्थना करें कि नए विश्वासियों में साहस आए और वे यीशु की शक्ति को खुलकर बाँटें।
  “उसकी महिमा जातियों में, उसके अद्भुत काम सब लोगों में बताओ।” भजन संहिता 96:3
- प्रार्थना करें कि गवाही के द्वारा पूरे परिवार विश्वास में आएं।
  “तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।” प्रेरितों के काम 16:31

आम जिंदगी में इस्तेमाल

आत्मिक उत्पीड़न के खिलाफ साहस से प्रार्थना करें और मसीह की सत्ता को आत्मविश्वास के साथ बाँटें।

तथ्य और आंकड़े

मोरक्को में 99% लोग मुस्लिम हैं; धर्म परिवर्तन बहुत दबाव का सामना है।

अन्य शास्त्र

यूहन्ना 11:1–44

इसके बारे में और जानकारी

मोरक्को

दिन 04
12 मार्च

आज की थीम

विनम्रता

"उसने अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और यहाँ तक कि मृत्यु का भी आज्ञाकारी बन कर खुद को विनम्र किया।"
फिलिप्पियों 2:7–8

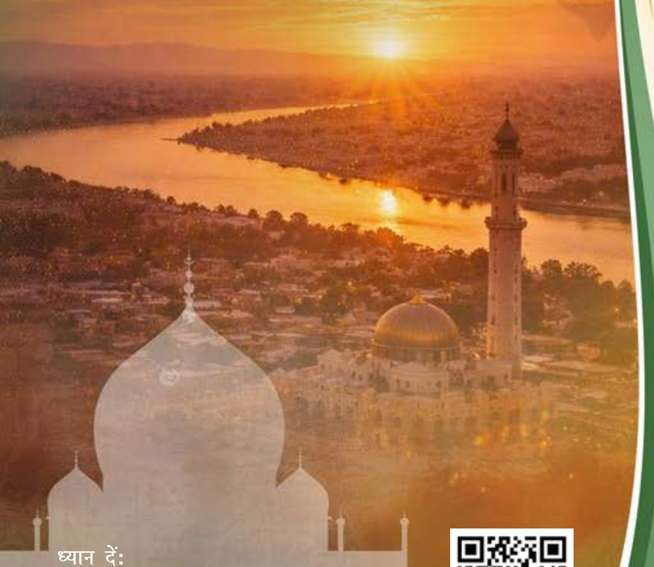

ध्यान दें:

नियामे
नाइजर

मसीह जैसा सेवा भाव समुदायों को बदल देता है

बाइबल में विनम्र सेवा का जो आह्वान है, जो फिलिप्पियों 2:7–8 में मसीह के बलिदान की गूंज है, वह नाइजर में खूबसूरती से जीवित है। दो मिशनरी परिवार, जिन्होंने अपने देश में अच्छी सरकारी नौकरियाँ छोड़ दीं, पाँच साल पहले इस 99% मुस्लिम देश में चर्च प्लांटर के रूप में सेवा करने आ गए। जब एक आकस्मिक तख्तापलट के कारण उनकी आर्थिक मदद पूरी तरह बंद हो गई, तो संगठन ने उन्हें घर लौटने के लिए कहा।

फिर भी, परमेश्वर की बुलाहट महसूस करते हुए, वे बिना किसी संसाधन के अपने गाँव लौट आए। उन्होंने पूरी तरह से स्थानीय जीवनशैली अपना ली, बाग–बगीचों और खेतों में स्थानीय लोगों की तरह काम किया। आप उन्हें समुदाय से अलग नहीं पहचान सकते थे। उनका यह विनम्र उदाहरण क्रांतिकारी थाय आमतौर पर मुस्लिम महिलाएँ घर पर रहती थीं, लेकिन मिशनरी पत्नियों को खेतों में काम करते देख बाकी महिलाएँ भी उनके साथ जुड़ गईं।

उन्होंने डीबीएस (डिस्कवरी बाइबल स्टडी) ग्रुप शुरू किए, जिसमें महिलाओं को स्वस्थ भोजन, परिवार का साथ देने और जमीन पर मिलकर काम करने के बारे में सिखाया। इस काम से लोगों को सम्मान और खुशी मिली। बाद में पुरुष भी खेतों में काम करने लगे। कभी–कभी बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती थी, फिर भी ये जोड़े आज्ञाकारी और साहसी बने रहे और सुसमाचार बाँटते रहे। वे शिष्य बना रहे हैं, लोगों को बपतिस्मा दे रहे हैं और देख रहे हैं कि मसीह समुदाय में प्रकट हो रहे हैं, क्योंकि उन्होंने सच में खुद को साधारण, "बिना किसी नाम वाले" बना लिया।

यह आंदोलन उत्तरी नाइजर के रेगिस्तान में तुआरेग और फुलानी लोगों के बीच फल ला रहा है। राजधानी में नए शिष्यों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जब ये शिष्य अपने गाँव लौटते हैं, तो उनके परिवार भी यीशु का अनुसरण करने लगते हैं। इसके अलावा, नई शिष्य बनाने वाले समुदाय विश्वास और प्रार्थना में बढ़ रहे हैं और लोग चमत्कारों और संकेतों के साथ चंगे हो रहे हैं।

प्रार्थना बिंदु

- परिवारों की दिव्य सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रार्थना करें।
  "मैं आप उसके चारों ओर आग की सी शहरपनाह ठहरूँगा, और उसके बीच में तेजोमय होकर दिखाई दूँगा।" जकर्याह 2:5
- उनके हाथों के काम के लिए प्रावधान, समर्थन और आशीष की प्रार्थना करें।
  "यहोवा तेरे खत्तों और तेरे सब कामों पर आशीष देगा।" व्यवस्थाविवरण 28:8
- परिवारों और समुदायों में दीर्घकालिक बहाली के लिए प्रार्थना करें।
  "क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारे लिए मेरी क्या योजनाएँ हैं, तुम्हें आशा और भविष्य देने की योजनाएँ, न कि हानि पहुँचाने की।" यिर्मयाह 29:11

आम जिंदगी में इस्तेमाल

आज 'अनदेखी सेवा' चुनें, और रोजमर्रा की बातचीत में मसीह की विनम्रता को दर्शायें।

तथ्य और आंकड़े

नाइजर दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता है।

अन्य शास्त्र

यूहन्ना 13:1–17

इसके बारे में और जानकारी

नाइजर

दिन 05
13 मार्च

आज की थीम

साहस

"हे प्रभु, अपने सेवकों को यह वरदान दीजिए कि वे पूरे साहस के साथ आपका वचन बोलते रहें।"
प्रेरितों के काम 4:29

ध्यान दें:

दुबई
संयुक्त अरब अमीरात

गवाही देने का साहस ईमानदारी से

इमेन एक सूडानी महिला है जो दुबई रहती है ताकि पैसे कमाकर अपने परिवार को भेज सके। वहाँ रहते हुए, उसने बाइबल में सृष्टि से मसीह तक की कहानियाँ पढ़ीं और यीशु को जान गई। उसने तुरंत ही बाकी सूडानी, उत्तर अफ्रीकी और अरब मुस्लिमों को यीशु के पास लाना और सुसमाचार बाँटना शुरू कर दिया।

अपनी यात्रा की शुरुआत में, उसने अपनी दोस्त समर के साथ यह सब बाँटा। शुरू में समर को यह सब अच्छा लगा, लेकिन जल्द ही उसकी रुचि कम हो गई। एक दिन, दोपहर के आसपास, इमेन लूका अध्याय 23 में क्रूस पर चढ़ाए जाने की कहानी की डिस्कवरी बाइबल स्टडी कर रही थी। जब वह पद 44 पर पहुँची, "उसी समय लगभग दोपहर थी, और पूरे देश में अंधेरा छा गया..." तभी उसे समर का मैसेज आया कि उसकी बहन की मृत्यु हो गई है। समर अभी–अभी संयुक्त अरब अमीरात लौटी थी ताकि अपनी बहन के डायलिसिस का खर्चा सूडान में दे सके। दुर्भाग्य से, डायलिसिस के दौरान बिजली चली गई और उसी वजह से उसकी बहन की जान चली गई।

इस भयावह खबर से बेहद दुखी होकर इमेन ने कहा, श्समय ईश्वर के हाथों में है। समय, घड़ी या अंधकार कब छाएगा, यह कोई नहीं जानता। हमें ईश्वर से अपना संबंध सुधारना होगा।"

प्रार्थना बिंदु

- समर और उसके परिवार के लिए और उन सभी के लिए प्रार्थना करें जो दुखी हैं, कि वे अपने दुख में परमेश्वर की सांत्वना और उनके मुक्तिदायक अनुग्रह को महसूस करें।
  "यहोवा टूटे दिल वालों के पास है और जिनकी आत्मा कुचली गई है उन्हें बचाता है।" भजन संहिता 34:18

- इमेन और उसके जैसे कई लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे गवाह के रूप में मजबूत हों, और निडर होकर बताएं कि परमेश्वर के हाथ में समय और अनंतता है।
  "मेरा समय तेरे हाथ में है; मुझे मेरे दुश्मनों और सताने वालों से बचा।" भजन संहिता 31:15

- बहुत सारे सूडानी, उत्तर अफ्रीकी और अरब मुसलमानों के लिए प्रार्थना करें कि वे ऐसे दिव्य पलों और कहानियों के जरिये मसीह की ओर मुड़ें।
  "अंधकार में चलने वाले लोगों ने एक बड़ी रौशनी देखी है।" यशायाह 9:2

आम जिंदगी में इस्तेमाल

इस सप्ताह यीशु के बारे में सहजता से बात करें और परिणाम के लिए परमेश्वर पर भरोसा रखें।

तथ्य और आंकड़े

संयुक्त अरब अमीरात की आबादी का 85% हिस्सा प्रवासी है, और वहां बहुत से लोग हैं जिन्हें अब तक सुसमाचार नहीं मिला है।

अन्य शास्त्र

लूका 23:32–56

इसके बारे में और जानकारी

संयुक्त अरब अमीरात

दिन 06
14 मार्च

आज की थीम

विश्वास

"यदि तुम्हारे पास राई के दाने के बराबर भी विश्वास है। आपके लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा।"
मत्ती 17:20

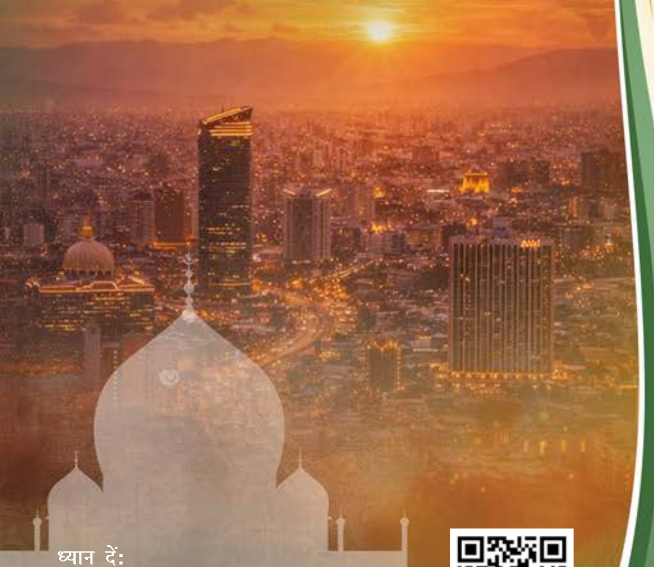

ध्यान दें:

अदीस अबाबा
इथियोपिया

विश्वास से निकलती है पुनरुत्थान की शक्ति

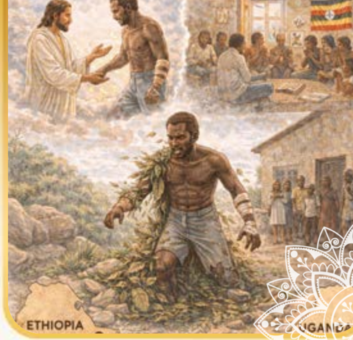

यीशु ने अपने चेलों से मत्ती 17:20 में कहा, "सच में मैं तुमसे कहता हूँ, अगर तुम्हारा विश्वास राई के दाने जितना भी हो, तो तुम इस पहाड़ से कह सकते हो, 'यहाँ से वहाँ चला जा,' और वह चला जाएगा। तुम्हारे लिए कुछ भी असंभव नहीं होगा।"

आज की कहानी इथियोपिया से है, जहाँ परमेश्वर ने एक ऐसे लोगों के समूह के बीच अद्भुत काम किया जिन्हें अब तक सुसमाचार नहीं मिला था। जब शिष्य बनाने वाले इथियोपिया में सेवा कर रहे थे, तब युगांडा में विश्वासियों का एक समूह खासतौर पर इथियोपिया में बदलाव के लिए प्रार्थना कर रहा था। हालांकि सीमाएँ अलग थीं, लेकिन विश्वास में वे एक थे।

जब युगांडा के विश्वासी इथियोपिया के लिए प्रार्थना कर रहे थे, तब शिष्य बनाने वाले, यीशु के हाथ और पैर बन गए। उन्होंने वहाँ बढ़ती निडरता, प्रावधान, परमेश्वर की कृपा और प्रार्थना के अद्भुत उत्तर देखे।

इथियोपिया के एक गाँव में, अरारा नाम के एक विश्वासी पर कुछ लोगों ने हमला किया,उनकी टाँगें और उंगलियाँ तोड़ दीं और उन्हें मरा हुआ समझकर पत्तों के नीचे छुपा दिया। जब युगांडा से इथियोपिया के लिए प्रार्थना लगातार होती रही, तब अरारा ने स्वर्ग में यीशु से मुलाकात की। उन्हें बताया गया कि वह वापस जायेगें और राज्य का सुसमाचार बांटेगें।

चमत्कारिक रूप से, अरारा को फिर से जीवन मिल गया। वह उठ खड़े हुए, पत्ते झाड़े और इथियोपिया के प्रार्थना घर की ओर चल पड़े। जब उन लोगों और बाकी सब ने उन्हें जिंदा देखा, तो वे हैरान रह गए— और बहुतों ने यीशु पर विश्वास करना शुरू कर दिया।

प्रार्थना बिंदु

- प्रार्थना करने वाले समुदायों और शिष्य बनाने वालों के बीच और भी एकता और आत्मिक अधिकार के लिए प्रार्थना करें।
  "कितना अच्छा और सुखद है जब परमेश्वर के लोग एकता में रहते हैं... वहीं प्रभु अपनी आशीष देता है।" भजन संहिता 133:1;3
- पहुँच से बाहर लोगों के बीच पुनरुत्थान की शक्ति, साहसी विश्वास और चमत्कारी चिन्हों के लगातार प्रकाशित होने के लिए प्रार्थना करें।
  "तुम परमेश्वर की महिमा देखोगे।" यूहन्ना 11:40
- प्रार्थना करें कि अरारा की गवाही व्यापक स्तर पर पश्चाताप की भावना जागृत करे और अनेक आत्माओं का उद्धार हो।
  "बहुत से लोग देखेंगे और भयभीत होंगे, और यहोवा पर भरोसा रखेंगे।" भजन संहिता 40:3

आम जिंदगी में इस्तेमाल

जिस स्थिति को आपने असंभव समझा है, उसमें राई के दाने जितना विश्वास दिखाएं।

तथ्य और आंकड़े

इथियोपिया में 35% मुस्लिम हैं; हॉर्न क्षेत्र में लोग अब तक सुसमाचार से अनजान हैं।

अन्य शास्त्र

यूहन्ना 20:11–31; लूका 24:50–52

इसके बारे में और जानकारी

इथियोपिया

दिन 07
15 मार्च

आज की थीम

उम्मीद

“आशा के परमेश्वर आपको समस्त आनंद और शांति से भर दें... ताकि आप पवित्र आत्मा की शक्ति से आशा से परिपूर्ण हो जाएं।” रोमियों 15:13

ध्यान दें:

सना
यमन

हमेशा की उम्मीद कष्ट से परे

यमन के सना शहर में जारी युद्ध का असर वहां के लोगों पर लगातार पड़ रहा है। हिंसा, असुरक्षा और विस्थापन के कारण बच्चे भूखे मर रहे हैं, पुरुष अपने परिवार का भरण–पोषण करने में असमर्थ हैं और महिलाएं जीवन–यापन के लिए संघर्ष कर रही हैं। अहमद की अपने परिवार का भरण–पोषण करने में असमर्थता ने उनकी पहचान को खतरे में डाल दिया और उनकी अपनी अहमियत पर प्रश्न खड़े कर दिए।

जब अहमद के दोस्त ने कैफे में उन्हें बताया कि वह परमेश्वर के वचन की कहानियाँ सुनने लगे हैं, जिनसे उन्हें उम्मीद मिल रही है, तो अहमद को भी दिलचस्पी हुई। उन्होंने जो ‘सृष्टि से मसीह तक’ की कहानियाँ सुनीं, उन्होंने अहमद और उनके परिवार का दिल छू लिया।

ऐसी निराशा के बीच, सुसमाचार लोगों की जिंदगी को छू रहा है। मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान के साहसी गवाह बाइबल की इन कहानियों को उन घरों तक ले जा रहे हैं जहाँ डर, टूटापन और अधूरी उम्मीदें हैं। प्रकाशितवाक्य 7 की आखरी कहानी की आशा इस युद्धग्रस्त जमीन में पहचान और मकसद को नया रूप दे रही है।

“...और जो सिंहासन पर विराजमान है, वह अपनी उपस्थिति से उन्हें आश्रय देगा। उन्हें अब न भूख लगेगी, न प्यास; न सूर्य की गर्मी उन्हें झुलसाएगी, न ही कोई झुलसाने वाली तपिश।...”

प्रार्थना बिंदु

- प्रार्थना करें कि ईश्वर यमन में परिवारों को आश्रय दे और भय, भूख या निराशा के किसी भी चक्र को तोड़ दे।
  “जो सिंहासन पर विराजमान है, वह अपनी उपस्थिति से उन्हें आश्रय देगा।३ वे फिर कभी भूखे नहीं रहेंगे।” प्रकाशितवाक्य 7:15–16
- अहमद जैसे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी असली पहचान और अहमियत मसीह में पाएं, हालात में नहीं।
  “मैं उन्हें नया दिल दूँगा और उनके भीतर नई आत्मा डालूँगा।” यहेजकेल 36:26
- प्रार्थना करें कि साहसी गवाह युद्ध, हिंसा और असुरक्षा से तबाह घरों में यीशु की आशा लेकर आएं, और विश्वास और परिवर्तन को प्रज्वलित करें।
  “जब आप उस पर भरोसा रखते हैं, तो आशा के परमेश्वर आपको भरपूर आनंद और शांति से भर दें, ताकि पवित्र आत्मा की शक्ति से आप आशा से परिपूर्ण हो जाएं।” रोमियों 15:13

आम जिंदगी में इस्तेमाल

अपनी पहचान मसीह के द्वारा दी हुई उम्मीद में टिकाएं, हालात या दुनियावी सुरक्षा में नहीं।

तथ्य और आंकड़े

यमन में 99% से ज्यादा लोग मुस्लिम हैं और वहाँ चर्च की मौजूदगी बहुत कम है।

अन्य शास्त्र

प्रकाशितवाक्य 7:9–17

इसके बारे में और जानकारी

यमन

One Miracle Night
वैश्विक प्रार्थना दिवस मुस्लिम लोगों के लिए
सोमवार, 16 मार्च 2026
पूरे मुस्लिम जगत में यीशु के प्रकाशमान होने के लिए आराधना और प्रार्थनाएँ
REACHING UNREACHED NATIONS
110 Cities
finishing the task
www.110cities.com

2026

5 GLOBAL DAYS OF *Prayer*

Worldwide Worship & Prayers for Gospel Movements, Revival & Transformation

February 17th

Global Day of Prayer
for Buddhist Peoples
(Lunar New Year)

March 16th

Global Day of Prayer
for Muslim Peoples
(Night of Power)

INTERNATIONAL • PRAYER • CONNECT

November 8th

Global Day of Prayer
for Hindu Peoples
(Diwali)

May 24th

Global Day of Prayer for
the Worldwide Church
(Pentecost)

September 21st

Global Day of Prayer
for Jewish Peoples
(Day of Atonement)

www.110cities.com

प्रार्थना परमेश्वर के वचन के द्वारा

दुनिया के लिए 365—दिनों की मार्गदर्शिका

उन वैश्विक प्रार्थनाकर्ताओं के आंदोलन में शामिल हों जो नाम लेकर प्रार्थना करते हैं:

बाजार के नेता, चर्च स्थापित करने वाले, बाइबल अनुवादक, महिलाओं की नेता, बच्चों की सेवकाई के नेता और आंदोलन के नेता — जब वे उनके नाम को 110 गेटवे शहरों में घोषित करते हैं जहाँ सुसमाचार नहीं पहुँचा है।

iOS और Indroid प्लेटफार्मों पर YouVersion बाइबल ऐप में साइन अप करें।

यहाँ साइन अप करें

जब तक परदा उठता नहीं

7 दिनों की प्रार्थना मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

साझेदारी में प्रकाशित:

110 Cities · 2 BILLION CHILDREN · finishing the task · 24:14 · GLOBAL FAMILY 24-7 PRAYER · YouVersion · PRAYER TOOLS

IPC हर साल पाँच प्रार्थना गाइड के लिए सामग्री लिखता और प्रकाशित करता है। प्रत्येक गाइड का 30 भाषाओं में अनुवाद किया जाता है और यह दुनिया भर के व्यक्तियों और साझेदार सेवाओं के लिए उपलब्ध कराया जाता है। 10 करोड़ से अधिक यीशु अनुयायियों ने इन निःशुल्क संसाधनों का उपयोग करने का संकल्प लिया है।

यह संसाधन इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (IPC) द्वारा लिखा और प्रकाशित किया गया है। इसे गैर–व्यावसायिक प्रार्थना, शिक्षा और सेवकाई के लिए स्वतंत्र रूप से साझा और वितरित किया जा सकता है। यदि आप इस सामग्री के किसी भी भाग को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पुनः प्रस्तुत, अनुकूलित या उपयोग करना चाहते हैं, तो कृपया अनुमति के लिए IPC से संपर्क करें।

इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (IPC) इस गाइड में संदर्भित बाहरी वेबसाइटों या तृतीय–पक्ष स्रोतों की सामग्री या सटीकता के लिए जिम्मेदार नहीं है।

व्यक्तियों की गोपनीयता और सुरक्षा का संरक्षण करने के लिए नाम और कुछ पहचान संबंधी विवरण बदल दिए गए हैं।

इस संसाधन में दर्शाए गए सभी चित्रण काल्पनिक हैं और केवल उदाहरण के लिए बनाए गए हैं। वे वास्तविक व्यक्तियों को नहीं दर्शाते हैं, और किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति से कोई समानता केवल संयोग है।

पवित्र बाइबल, न्यू इंटरनेशनल वर्जन ® से लिए गए शास्त्र उदाहरण।
कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984, 2011 बिब्लिका, इंक.™ द्वारा
अनुमति से उपयोग किया गया। सर्वत्र सर्वाधिकार सुरक्षित।

इंटरनेशनल प्रेयर कनेक्ट (IPC), जिसे इंटरनेशनल प्रेयर काउंसिल भी कहा जाता है, एक 501(c)(3) गैर–लाभकारी संगठन है जो संयुक्त राज्य अमरीका (यूएसए) में पंजीकृत है। पंजीकृत कार्यालय पता: 313 E Wiser Lake Rd, Lynden WA, 98264, USA

www.ipcprayer.org

जब तक परदा उठता नहीं

7 दिनों की प्रार्थना
मुस्लिम लोगों के लिए

2026 प्रार्थना मार्गदर्शिका

असली रहस्योद्घाटन की कहानियाँ
बदलाव की प्रार्थना को प्रज्वलित करना
मुस्लिम लोगों के लिए

दुनिया भर के मसीहियों के साथ मिलकर हमारे मुस्लिम पड़ोसियों के लिए प्रार्थना करें

IPC 110 Cities finishing the task